**जब भारत मे सैकड़ों टन अवैध जीएम बीज आयात होता चल रहा है,** **तब रेगुलेटर एक दूसरे और अन्य मंत्रालयों के पास घुमाके शिकायत भेजते रहे**

नई दिल्ली, २ मई २०१८ - शिकायत अग्रेषण श्रृंखला जारी रखते हुए, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने वित्त मंत्रालय,  पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओइएफ) और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय (डीएसीएफडब्ल्यू) को भारत में अवैध आनुवंशिक संशोधित (जीएम) बीज आयात होने पर कार्रवाई करने के लिए कहा है | विडम्बना यह है कि एमओइएफ  के जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (जीईएसी) ने खुद पहले इस  शिकायत को वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय  को अग्रेषित किया था, इसके डीजीएफटी ने उसी शिकायत को वित्त मंत्रालय, प्लांट क्वारंटाइन विभाग और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय मे कृषि, सहकारिकता एवं किसान कल्याण विभाग को अग्रेषित किया है |

दिलचस्प बात यह है कि वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत उन देशों से वह बीज आयात कर रहा है जो इन देशों में आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) हैं | पिछले दशक में, भारत ने अर्जेंटीना से 528 टन से अधिक और अमेरिका से 20 टन से अधिक मक्का बीज आयात किया है | इन दोनों देशों में उगाई गई मक्का में, 90% से अधिक मक्का आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) है | भारत स्पेन, ब्राजील और फिलीपींस जैसे अन्य आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) मक्का उत्पादक देशों से भी मक्का के बीज आयात करता है।

इसी तरह, भारत ने पिछले दशक में अमेरिका से बुवाई के लिए 129 टन चीनी चुकंदर बीज आयात किया है | अमेरिका में खेती की जाने वाली कुल चीनी चुकंदर में, 90% से अधिक चीनी चुकंदर आनुवांशिक रूप से संशोधित (जीएम) होती है |

उद्योग और सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि भारत ने पिछले दशक में अमेरिका से 149 टन से अधिक कैनोला बीज आयात किया और ऑस्ट्रेलिया से 100 टन से अधिक आयात किया। अमेरिका में 90% से अधिक कैनोला की खेती, और ऑस्ट्रेलिया में कम फीसदी मे आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) होता है।

भारत ने अमेरिका और यूक्रेन से भी भारी मात्रा में सोयाबीन के बीज आयात किए हैं। जबकि अमेरिका में खेती की गई 90% से अधिक सोयाबीन आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) है, यूक्रेन के सोयाबीन निर्यात को आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) होने के कारण कुछ साल पहले अस्वीकृत किया जा चूका है । यह संभव है कि 2017 में गुजरात में अवैध आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) सोयाबीन उगाया जा रहा था, आयातित जीएम बीज से भी हो सकता है |

उद्योग के आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि भारत क्रमश: अमेरिका और चीन से स्क्वैश और पपीता के बीज आयात कर रहा है, जिन्हें इन फसलों के आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) किस्मों को विकसित करने के लिए जाना जाता है।

जीएम मुक्त भारत के लिए गठबंधन के कविता कुरुगंती जिन्होंने सरकार को इस मुद्दे पे शिकायत दर्ज की थी ने कहा, "यह एक निरंतरता है जिस तरह जीएम फसलों को पिछले 2 दशकों में अवैध रूप से भारत में पेश किया है चाहे वह शुरुआत मे बीटी कपास हो, या फिर अभी हर्बिसाइड-सहिष्णु (एचटी) कपास या जीएम सोयाबीन। जीएम बीज आयात की शिकायत सरकार को दर्ज किये हमें ३ महीने हो गए हैं, और अभी भी इस मुद्दे पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, और कोई दायित्व तय नहीं हुआ है। यह केवल एक-दूसरे से कार्यवाही करने को कह रहे हैं यह देखे कि उन्हें क्या करना चाहिए। यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है "।

अधिक जानकारी के लिए, ८८८००६७७७२ पर कविता कुरुगंती से संपर्क करें